केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल, जम्मू - 181122
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र जम्मू, बनतलाब, जम्मू - 181123

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
कार्यक्रम प्रतिवेदन
(दिनांक 14.08.2024)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर, जम्मू एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र जम्मू, बनतलाब, जम्मू के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 14.08.2024 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के उपलक्ष्य में परिसर के वाणी विलास सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में इग्नू जम्मू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. जय प्रकाश वर्मा मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम के विशिष्टातिथि परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. सतीश कुमार कपूर रहे। सभा के अध्यक्ष के रूप में परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक परिसर के वेद विभाग के सहायकाचार्य डॉ. डी. दयानाथ थे। कार्यक्रम में इग्नू केन्द्र के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सन्दीप गुप्ता, डॉ. आशा उपाध्याय एवं डॉ. विक्रम सिंह तथा सहायक कुलसचिव श्री राजेश मोहन भी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना एवं वैदिक मंगलाचरण से हुआ। वैदिक मंगलाचरण वेद विभागीय प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार दीक्षित एवं डॉ. अनय मणि त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में स्वागत वचन डॉ. गोपल वर्मा, सहायकाचार्य, अंग्रेज़ी विभाग प्रस्तुत किये। स्वागत वचन के बाद मंचस्थ अतिथियों का सम्मान परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने किया। सम्मान के उपरांत राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत 'विभाजन एक विभीषिका' नामक एक लघु नाटक का प्रदर्शन किया गया। इस लघु नाटक में विभाजन की त्रासदी और भयावहता को दर्शाया गया है। उसके बाद विशिष्टातिथि प्रो. सतीश कुमार कपूर ने विभाजन समय के घटनाओं के बारे प्रख्यात लेखकों एवं

चिन्तकों के वचनों को उद्धृत कर अपना विचार प्रस्तुत किया। साथ ही उनहोंने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुक्त स्वाध्याय पीठ द्वारा संचाल्यमान नवीन पाठ्यक्रमों से भी छात्रों को अवगत कराया। उसके बाद इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सन्दीप गुप्ता ने अपने भाषण के दौरान इग्नू में शुरु किये गए नये पाठ्यक्रमों के बारे जानकारी देते हुए कहा कि यूजीसी द्वारा अनुमोदित ड्यूअल डिग्री के तहत छात्र एक साथ दो विश्वविद्यालयों में दो अलग अलग उपाधि अर्जन करने का लाभ उठा सकते हैं। मुख्यातिथि उद्बोधन में इग्नू जम्मू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. जय प्रकाश वर्मा ने कहा कि आज़ादी के समय जो विभाजन हुआ उसको आज याद करने का दिन है। सन् 1947 का विभाजन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हमें अपने देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रगतिशील और मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने मातृभूमि के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सर्वोच्च बलिदान को अभिवादन किया। अध्यक्षीय भाषण में श्री रणवीर परिसर के निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने कहा कि छात्रों को देश के शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा अपनी शिक्षा से देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथ में है और उसमें संस्कृत छात्रों का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। कार्यक्रम के अंत में वेद विभाग के सहायकाचार्य एवं संयोजक डॉ. डी. दयानाथ ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार सिंह ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम परिसर के फेसबुक पटल पर लाइव प्रसारण किया गया।

पैनल परिचर्चा कार्यक्रम

इसके पश्चात् परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र की अध्यक्षता में विभाजन विभीषिका स्मृति पर एक पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया। पैनल परिचर्चा में पैनलिस्ट के रूप परिसर के साहित्य विभागाधक्ष प्रो. सतीश कुमार कपूर, दर्शन विभाग के प्राध्यापक डॉ. सर्वेश त्रिपाठी, शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रवीण मणि त्रिपाठी, वेद विभाग के प्राध्यापक डॉ. डी. दयानाथ, हिन्दी विभाग के

प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार सिंह, इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार मिश्र आदि उपस्थित होकर अपने विद्वत्तापूर्ण विचार-विमर्श प्रस्तुत किये। पैनल परिचर्चा में इग्नू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. जय प्रकाश वर्मा, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. सन्दीप गुप्ता, डॉ. आशा उपाध्याय तथा डॉ. विक्रम सिंह भी पैनलिस्ट के रूप में अपना विचार एवं सन्देश प्रस्तुत किये। प्रो. श्रीधर मिश्र ने विभाजन के पश्चात् घटित दुष्परिणाम पर चर्चा किया। डॉ. सन्दीप गुप्ता ने भारत को एकजुट और एकीकृत बनाने के लिए हर वर्ष इस विभीषिका को याद रखने की आवश्यकता पर बात की। डॉ. जय प्रकाश वर्मा ने इस बात पर चर्चा की कि भारत कैसे एकजुट रह सकता है और अपनी अखंडता को कैसे बनाए रख सकता है। उन्होंने विभिन्न स्वतंत्रता संग्राम आंदोलनों के बारे में भी बात की। डॉ. आशा उपाध्याय ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका और विभाजन के समय महिलाओं को हुई पीड़ा पर चर्चा की। विविध वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम एवं विभाजन विभीषिका पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत विभाजन मानव इतिहास में सबसे त्रासदी पूर्ण घटना है और इसे भविष्य में भारत एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए युवाओं तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। पैनल परिचर्चा में उपस्थित समस्त विद्वानों को कार्यक्रम संयोजक डॉ. डी. दयानाथ ने धन्यवाद दिया। समस्त शिक्षकों, स्टाफ एवं छात्रों ने राष्ट्र के लिए हमारे पूर्वजों के संघर्ष एवं बलिदान की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

14/8/24

(डॉ. डी. दयानाथ)
संयोजक

(प्रो. श्रीधर मिश्र)
निदेशक
DIRECTOR
Central Sanskrit University
...der Ministry of Education, Govt. of India
Shri Ranbir Campus, Kot-Bhalwal,
Jammu-181122 (J&K)